DAINIK JAGRAN, Bareily, 3.9.2017
Page No. 8, Size:(12.70)cms X (13.04)cms.

खुलासा खुल गया फर्जीवाड़ा, पुष्टाहार की खेप रह गई आधी

'आधार' ने खोला पुष्टाहार का भ्रष्टाचार

प्रशांत गौड़ ● बरेली

आंगनबाड़ी केंद्रों पर पुष्टाहार के नाम पर में बड़ा खेल हो रहा था। जब सरकार ने बच्चों व महिलाओं का आधार कार्ड जमा कराए तो इस भ्रष्टाचार का खुलासा हो गया। 20 फीसद महिलाएं व 70 फीसद बच्चे रिकॉर्ड से आउट हो गए और पुष्टाहार की खेप आधी ही रह गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कुपोषण मुक्ति के लिए आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जाते हैं। इन केंद्रों पर 6 माह से 3 वर्ष, 3-6 वर्ष तथा गर्भवती महिलाओं को पोषाहार वितरित किया जाता है। सूबे में भाजपा की सरकार बनने से पहले बिना आधार कार्ड लाभार्थियों को पोषाहार का वितरण होता था। अब नई सरकार का गठन होने के बाद लाभार्थियों के आधार कार्ड मांगे गए। आधार कार्ड जमा होने तक मुख्यालय से पोषाहार का आवंटन रुका रहा। जब आधार कार्ड जमा हो गए और करीब तीन माह बाद जुलाई में पोषाहार की खेप फिर केंद्रों पर पहुंची। इस दौरान चौकाने वाले आंकड़े

सामने आई हकीकत

- आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत बच्चों के मां-बाप व महिलाओं के मांगे थे आधार
- 20 फीसद महिलाएं व 70 फीसद बच्चों के जमा नहीं हुए आधार

सामने आए। लगभग 40 हजार बैग की संख्या घटकर 20- 24 हजार के बीच रह गई।

आवंटन के सापेक्ष नहीं होता था नामांकन : जनपद के सभी 15 ब्लॉक में 2893 आंगनबाड़ी केंद्र हैं। लाभार्थियों की संख्या के अनुसार प्रत्येक केंद्र पर 20-20 किलोग्राम पोषाहार के बैग आवंटित होते है। जानकारों की मानें तो केंद्रों पोषाहार वितरण में जमकर धांधली की जाती थी। आवंटन के सापेक्ष नामांकन नहीं होता था। फर्जी आंकड़ें दर्शाकर योजना में खेल किया जाता है।

मार्च के बाद पोषाहार का आवंटन रूक गया था। अब आधार कार्ड के बाद जनवरी के मुकाबले दो गुना कम पोषाहार का आवंटन हुआ है।

बुद्धि मिश्रा, डीपीओ

तीन माह में जमा नहीं करा सके आधार

जिन बच्चों के आधार कार्ड नहीं बने उनके माता-पिताओं के आधार कार्ड जमा कराए गए। काफी लंबा समय दिए जाने के बाद भी करीब 30 फीसद बच्चे व 80 फीसद महिलाएं ही आधार के साथ योजना में पंजीकृत हो सकी। अब विभाग की दलील है, अधिकांश बच्चों का आधार कार्ड नहीं बन सके हैं। इससे पोषाहार आवंटन का ग्राफ गिरा है।